

O Mere Laal Kanhaaiya Lyrics in Hindi and English

O Mere Laal Kanhaaiya Lyrics in Hindi

ओ मेरे, लाल कन्हैया,
मदन, गोपाल कन्हैया ॥
आज है, जनम तेरा ॥,
हैप्पी, बर्थडे टू यू ॥

आज, ब्रह्मा नाचे, आज, विष्णु नाचे ।
काले, नागों वाले, भोले, बाबा नाचे ॥
नारद, वीन बजाए, देवता, फुल बरसाए ।
आज है, जनम तेरा ॥,
हैप्पी, बर्थडे टू यू ॥

मथुरा, गूंज उठी, तेरी झनकार से ।
गोकुल, नाच रहा, तेरे दीदार से ॥
ग्वाले, ढोल बजाए, सखियां मंगल गाए ।
आज है, जनम तेरा ॥,
हैप्पी, बर्थडे टू यू ॥

नन्द, रानी नाचे, नन्द, बाबा नाचे ।
सारी, सखियाँ नाचे, सारे ग्वाले नाचे ॥
हम सब, नाचे गाएं, बधाई, देने आए ।
आज है, जनम तेरा ॥,
हैप्पी, बर्थडे टू यू ॥

हम भी अगर, कान्हाँ होते ॥,
तो नाम, हमारा होता, मदन गोपाल,
खाने, को मिलते, लड्डू,
हैप्पी, बर्थडे टू यू ॥

O Mere Laal Kanhaaiya Lyrics in English

O mere, laal Kanhaiya,
Madan, Gopal Kanhaiya II
Aaj hai, janam tera II,
Happy, birthday to you II

Aaj, Brahma naache, aaj, Vishnu naache I
Kaale, naagon wale, Bhole, Baba naache II
Narad, veena bajaye, devta, phool barsaye I
Aaj hai, janam tera II,
Happy, birthday to you II

Mathura, goonj uthi, teri jhankaar se I
Gokul, naach raha, tere didaar se II
Gwaale, dhol bajaye, sakhiyan mangal gaaye I
Aaj hai, janam tera II,
Happy, birthday to you II

Nand, Rani naache, Nand, Baba naache I
Saari, sakhiyan naache, saare gwaale naache II
Hum sab, naache gaaye, badhai, dene aaye I
Aaj hai, janam tera II,
Happy, birthday to you II

Hum bhi agar, Kanhaah hote II,
To naam, humara hota, Madan Gopal,
Khaane, ko milte, laddoo,
Happy, birthday to you II

About O Mere Laal Kanhaaiya Bhajan in English

“O Mere Laal Kanhaiya” is a joyous and devotional bhajan dedicated to **Lord Krishna** on his birthday, celebrating his divine presence and the immense love his devotees have for him. The bhajan highlights the spiritual significance of Lord Krishna’s birth and the celebrations that took place in **Mathura** and **Gokul**. It brings together the essence of Krishna’s

divine play, the joy of his devotees, and the festive atmosphere surrounding his arrival into the world.

- **Celebration of Krishna's Divine Birth:** The bhajan starts by addressing Lord Krishna as "O mere Laal Kanhaiya" (O my beloved Kanhaiya), and immediately celebrates his birth with the chant "Happy Birthday to you." The verse sets the tone for a celebration of his divine arrival, which is considered an event that brings joy to the entire universe.
- **Celestial Celebration:** The bhajan describes how even the **deities** in the heavens celebrate Krishna's birth. "Brahma naache, Vishnu naache" refers to the joy of the gods, with **Lord Brahma** and **Lord Vishnu** dancing in happiness, symbolizing the cosmic celebration of Krishna's incarnation. Additionally, "Narad veena bajaye, devta phool barsaye" signifies how **Narad Muni** plays the veena, and the gods shower flowers in joy, acknowledging Krishna's divine presence.
- **Krishna's Divine Presence in Mathura and Gokul:** The bhajan beautifully depicts how Krishna's birth brings joy to **Mathura** and **Gokul**. "Mathura goonj uthi teri jhankaar se" and "Gokul naach raha tere didaar se" describe the sound of Krishna's flute and the celebration in Gokul as people dance and rejoice at the sight of their beloved Krishna. His divine presence transforms the environment, filling it with love and bliss.
- **Devotees' Joy and Participation:** The bhajan emphasizes the collective joy of Krishna's devotees, including his parents, Nand and Yashoda, who celebrate his birth with dance and song. "Nand rani naache, Nand baba naache" portrays Krishna's parents celebrating their son's divine birth, while the whole community, including the cowherds and friends, joins in the festivity.
- **Krishna's Role as a Source of Divine Blessing:** The bhajan reflects the idea that Krishna is not only the divine source of joy and love but also the giver of blessings. "Hum sab naache gaaye, badhai dene aaye" expresses the collective joy of Krishna's devotees, who gather to offer their blessings and celebrate his divine presence.
- **Devotee's Deep Devotion and Desire to Be Like Krishna:** The final verse expresses the devotee's deep devotion, stating that if they were Krishna, they too would receive divine love and blessings. "Hum

bhi agar Kanha hote, to naam humara hota Madan Gopal” signifies the desire to be as beloved as Krishna, to receive the love and blessings that he offers to all his devotees.

Overall, “O Mere Laal Kanhaiya” is a vibrant and heartwarming bhajan that celebrates **Lord Krishna’s birthday** with devotion, joy, and praise. It expresses the boundless love that Krishna’s devotees feel for him, and the universal celebration of his divine arrival on earth. The bhajan inspires a deep sense of connection with Krishna, inviting all to rejoice in his divine presence and blessings.

About O Mere Laal Kanhaaiya Bhajan in Hindi

“ओ मेरे लाल कन्हैया” भजन के बारे में

“ओ मेरे लाल कन्हैया” एक अत्यंत भावपूर्ण और भक्ति से भरा भजन है जो भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव को मनाता है। इस भजन में भगवान श्री कृष्ण की दिव्य उपस्थिति और उनकी लीला का आनंद लिया जाता है। यह भजन विशेष रूप से भगवान कृष्ण के जन्म के दिन के उत्सव, उनकी मस्ती और भक्तों के बीच खुशी का उत्सव व्यक्त करता है। इसमें भगवान कृष्ण के जन्म के समय की खुशी और प्रेम का चित्रण किया गया है, जिसमें देवता, भक्त और भगवान के परिवार के लोग खुशी से झूमते हैं।

- **भगवान श्री कृष्ण के जन्म का उत्सव :** भजन की शुरुआत भगवान श्री कृष्ण के जन्म का उत्सव मनाने के साथ होती है। “ओ मेरे लाल कन्हैया” और “हैप्पी बर्थडे टू यू” पंक्तियां भगवान श्री कृष्ण के जन्म का उत्सव और उनके प्रति भक्तों की श्रद्धा और प्रेम को व्यक्त करती हैं।
- **दिव्य उत्सव और आकाशीय खुशियाँ :** भजन में यह बताया गया है कि भगवान श्री कृष्ण के जन्म के समय आकाश और पृथ्वी पर खुशी का माहौल था। “ब्रह्मा नाचे, विष्णु नाचे” और “नारद, वीणा बजाए” पंक्तियां यह दिखाती हैं कि भगवान कृष्ण के जन्म के समय देवता भी अपनी खुशी और उत्सव को मनाते हैं। नारद मुनि की वीणा की ध्वनि और देवताओं का फूलों की वर्षा करना इस दिव्य उत्सव की गवाही देता है।
- **मथुरा और गोकुल का उत्सव :** भजन में मथुरा और गोकुल में कृष्ण के जन्म के बाद का माहौल भी चित्रित किया गया है। “मथुरा गूंज उठी, तेरी झंकार से” और “गोकुल नाच रहा, तेरे दीदार से” पंक्तियां यह दर्शाती हैं कि कृष्ण के जन्म के बाद मथुरा और गोकुल में खुशी का माहौल था। सभी लोग कृष्ण के दर्शन के लिए झूम उठे थे।

- **भगवान कृष्ण के परिवार का उल्लास :** भजन में भगवान कृष्ण के माता-पिता नन्द और यशोदा के उल्लास को भी व्यक्त किया गया है। “नन्द रानी नाचे, नन्द बाबा नाचे” पंक्ति से यह साफ होता है कि भगवान कृष्ण के माता-पिता अपने बेटे के जन्म पर खुशी से झूम रहे थे। सभी ग्वाले और सखियां भी इस दिव्य अवसर पर आनंदित थे।
- **कृष्ण के प्रति भक्तों का समर्पण :** भजन का अंत भक्तों के समर्पण और प्रेम से होता है। “हम भी अगर कान्हा होते” पंक्ति में भक्तों की कृष्ण के प्रति गहरी भक्ति को व्यक्त किया गया है, जहाँ वे भगवान कृष्ण के समान सम्मान और आशीर्वाद प्राप्त करने की कामना करते हैं।

कुल मिलाकर, “ओ मेरे लाल कन्हैया” भजन भगवान श्री कृष्ण के जन्म का उत्सव है, जो उनके प्रति प्रेम, समर्पण और भक्तों की खुशी को दर्शाता है। यह भजन कृष्ण के जन्म के समय के उल्लास और उनके साथ जुड़ी दिव्य लीलाओं को मनाता है, और भगवान कृष्ण के साथ एक दिव्य संबंध की भावना को प्रगाढ़ करता है।